



Amish garhwal



Dolly

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119173001

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
16/01/1995 :	जन्म तिथि	: 3-04/05/1995
सोमवार :	दिन	: बुध-गुरुवार
घंटे 09:16:00 :	जन्म समय	: 04:45:00 घंटे
घटी 05:55:13 :	जन्म समय(घटी)	: 57:51:31 घटी
India :	देश	: India
Jabalpur :	स्थान	: Seoni
23:10:00 उत्तर :	अक्षांश	: 22:06:00 उत्तर
79:57:00 पूर्व :	रेखांश	: 79:36:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:10:12 :	स्थानिक संस्कार	: -00:11:36 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
06:53:54 :	सूर्योदय	: 05:39:13
17:45:10 :	सूर्यास्त	: 18:38:14
23:47:29 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:47:40
कुम्भ :	लग्न	: मेष
शनि :	लग्न लग्नाधिपति	: मंगल
मिथुन :	राशि	: मिथुन
बुध :	राशि-स्वामी	: बुध
पुनर्वसु :	नक्षत्र	: मृगशिरा
गुरु :	नक्षत्र स्वामी	: मंगल
2 :	चरण	: 4
वैधृति :	योग	: सुकर्मा
विष्टि :	करण	: विष्टि
को-कोमल :	जन्म नामाक्षर	: की-कीर्ति
मकर :	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: वृष
शूद्र :	वर्ण	: शूद्र
मानव :	वश्य	: मानव
मार्जार :	योनि	: सर्प
देव :	गण	: देव
आद्य :	नाड़ी	: मध्य
मार्जार :	वर्ग	: मार्जार

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी
गुरु 11वर्ष 5मा 13दि
बुध

30/06/2025

30/06/2042

बुध	27/11/2027
केतु	23/11/2028
शुक्र	24/09/2031
सूर्य	30/07/2032
चन्द्र	30/12/2033
मंगल	27/12/2034
राहु	15/07/2037
गुरु	21/10/2039
शनि	30/06/2042

अंश

11:54:29
01:44:44
23:47:18
07:42:56
19:58:55
13:50:58
14:54:20
15:35:23
18:06:36
18:06:36
02:34:07
29:20:56
06:10:37

राशि

कुंभ
मक
मिथु
सिंह व
मक
वृश्चि
वृश्चि
कुंभ
तुला व
मेष व
मक
धनु
वृश्चि

ग्रह

लग्न
सूर्य
चंद्र
मंगल
बुध
गुरु व
शुक्र
शनि
राहु व
केतु व
हर्ष
नेप व
प्लूटो व

राशि

मेष
मेष
मिथु
कर्क
वृष
वृश्चि
मीन
कुंभ
तुला
मेष
मक
मक
वृश्चि

अंश

01:53:12
19:15:25
05:28:04
27:24:13
08:18:40
20:00:36
20:27:41
27:49:57
11:46:10
11:46:10
06:40:45
01:44:46
05:53:18

विंशोत्तरी

मंगल 0वर्ष 7मा 16दि
गुरु

19/12/2013

19/12/2029

गुरु	06/02/2016
शनि	20/08/2018
बुध	24/11/2020
केतु	31/10/2021
शुक्र	01/07/2024
सूर्य	20/04/2025
चन्द्र	20/08/2026
मंगल	26/07/2027
राहु	19/12/2029

व - वकी स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

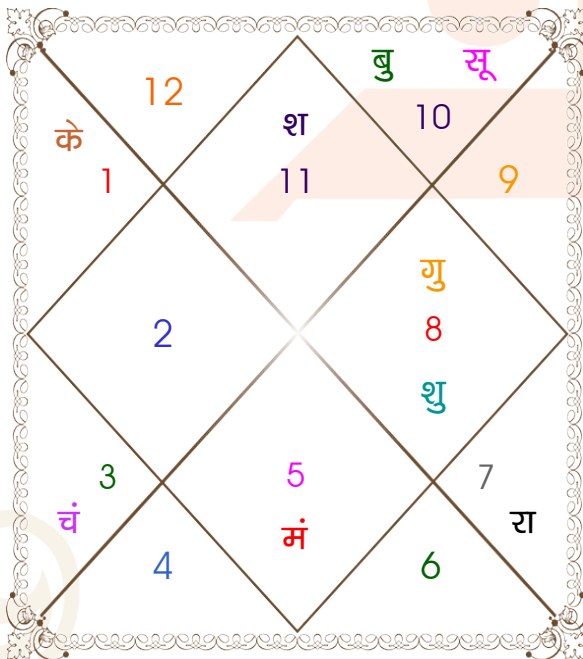
राहु : स्पष्ट

23:47:29

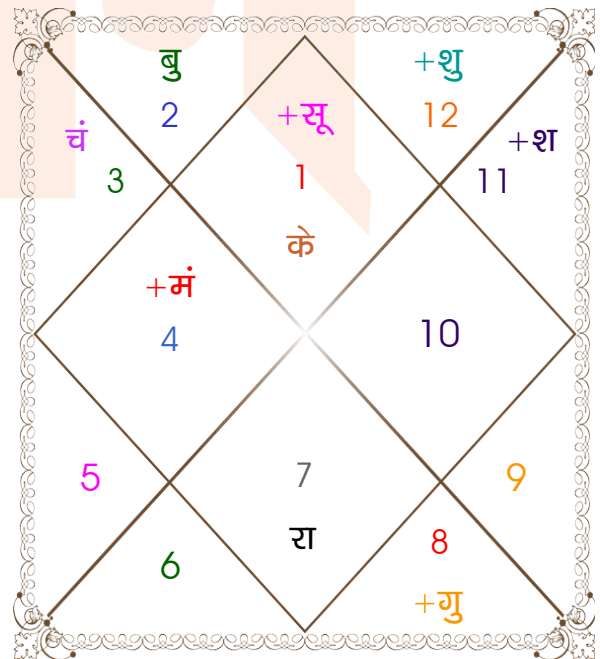
चित्रपक्षीय अयनांश

23:47:40

लग्न-चलित



लग्न-चलित



Mahamaya Jyotish Karyalaya

Astrologer Suman Acharya

Member

All India Federation Of Astrologers Society

Professor colony Raipur Chhattisgarh

9827401035

astrosumanpal1981@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

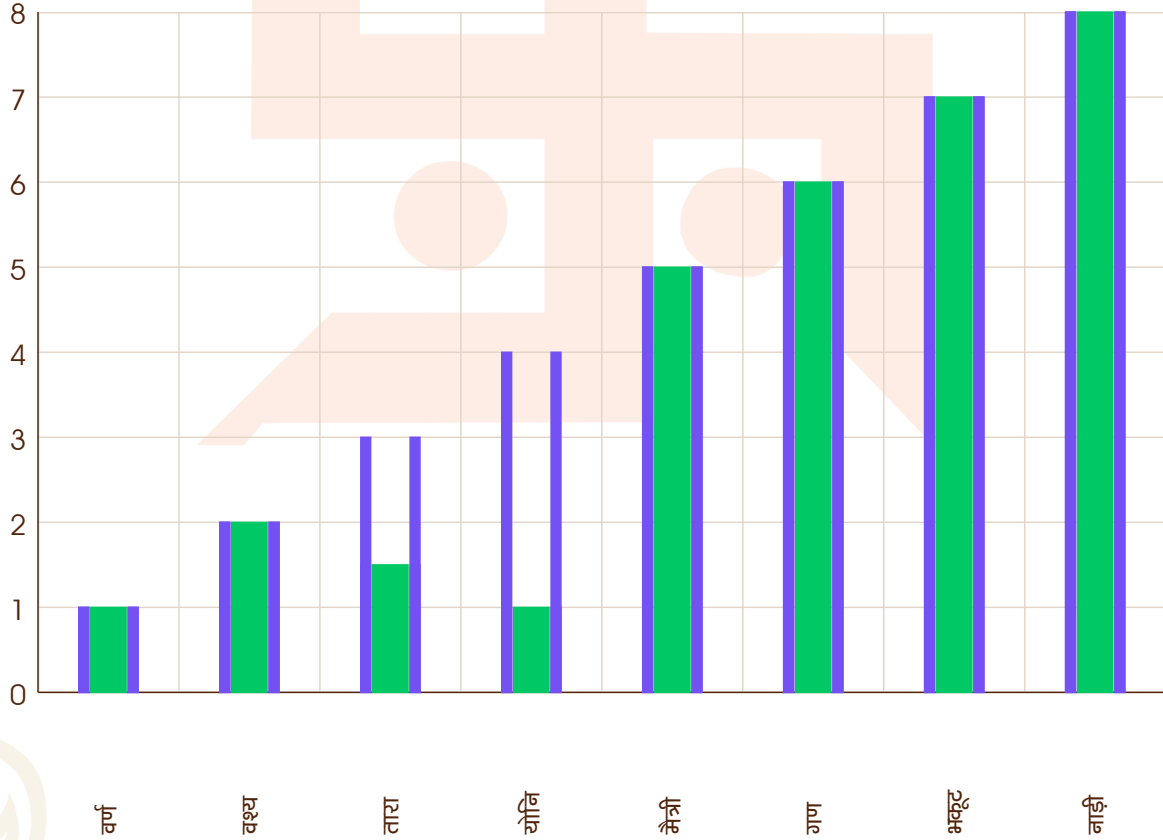
कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मार्जार	सर्प	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	बुध	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मिथुन	मिथुन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाडी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान

कुल :

36

31.50

कुल : 31.5 / 36



Mahamaya Jyotish Karyalaya

Astrologer Suman Acharya

Member

All India Federation Of Astrologers Society

Professor colony Raipur Chhattisgarh

9827401035

astrosumanpal1981@gmail.com

अष्टकूट मिलान

Amish garhwal का वर्ग मार्जार है तथा क्वससल का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Amish garhwal और क्वससल का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Amish garhwal मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

क्वससल मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

चतुः सप्तमे भौमो मेषकटे निग्रहः।

कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल क्वससल कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

ढ्यः, षड्मजतवहः, ० बुद्धि ० बुद्धि क्योंकि मंगल क्वससल कि कुण्डली में वक्री है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।

तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु क्वससल कि कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।

त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत् ।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि क्वससल कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Amish garhwal तथा क्वससल में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।



अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Amish garhwal का वर्ण शूद्र है तथा क्वससल का वर्ण भी शूद्र है। इसमें दोनों का वर्ण समान है अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। दोनों के स्वभाव, व्यवहार, दृष्टिकोण, पसन्द-नापसन्द में समानता रहेगी। साथ ही दोनों में इतना प्रेम होगा कि लगेगा कि दोनों एक-दूसरे के लिए ही बने हों। दोनों के बीच गहरा प्रेम, सद्भाव, साहचर्य एवं पारस्परिक समझ बनी रहेगी। दोनों घर की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति को उन्नत एवं सुदृढ़ बनाने के लिए साथ मिलकर कार्य करते रहेंगे।

वश्य

Amish garhwal का वश्य द्विपद अर्थात् मनुष्य है एवं क्वससल का वश्य भी द्विपद अर्थात् मनुष्य है अर्थात् दोनों का वश्य समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान होगा। Amish garhwal एवं क्वससल दोनों के स्वभाव, गुण, व्यवहार पसंद/नापसंद तथा बुद्धि एवं ज्ञान एक समान होंगे। यह मिलान अति अनुकूल है तथा दोनों एक-दूजे के लिए ही बने हैं। दोनों के बीच प्रेम, सद्भावना एवं आपसी समझ एवं सामंजस्य की भावना बनी रहेगी। दोनों एक-दूसरे का सम्मान करेंगे तथा मिलजुलकर पारिवारिक दायित्वों का बोझ एक-दूसरे की सहायता एवं सहयोग करके साथ उठाते रहेंगे।

तारा

Amish garhwal की तारा विपत तथा क्वससल की तारा मित्र है। Amish garhwal की तारा विपत होने के कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। Amish garhwal एवं Amish garhwal के परिवार के लिए यह विवाह कष्टदायक हो सकता है तथा जिसके परिणामस्वरूप कष्ट, हानि एवं विपत्ति की संभावना बनी रहेगी। यद्यपि क्वससल हमेशा अपने पति एवं परिवार के लिए सहयोगी एवं मददगार बनी रहेगी किंतु अपने पति के दुर्भाग्य का शिकार होकर क्वससल को भी कष्ट झेलना पड़ सकता है। दुर्भाग्यवश बच्चे भी एवं विपन्नता का शिकार हो सकते हैं।

योनि

Amish garhwal की योनि मार्जार है तथा क्वससल की योनि सर्प है। अर्थात् दोनों की योनि समान नहीं है। इन दोनों योनि के बीच सामान्य वैर है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान न होकर बुरा मिलान ही रहेगा। जिसके कारण दोनों की रुचि एवं पसंद नापसंद अलग-अलग ही होंगी। इनके वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में अक्सर लड़ाई झगड़े हो सकते हैं। कभी-कभी लड़ाई झगड़ा घरेलू हिंसा का रूप भी ले सकता है। लड़ाई झगड़े के कारण पारिवारिक माहौल तनावपूर्ण एवं क्लेशपूर्वक ही रहेगा। दोनों कभी कभी एक दूसरे पर हिंसक आक्रमण भी कर सकते हैं। दोनों के बीच झगड़े का कारण बुद्धिमत्ता एवं परस्पर समझदारी की कमी ही हो सकती है। यदि समझदारी और समझबूझ से काम न लिया गया तो कुछ समय अंतराल पर यह स्थिति मुकदमेबाजी तक भी पहुंच सकती है। इस प्रकार परस्पर प्रेम एवं सौहार्द

की भावना का अभाव ही रहेगा। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी रह सकती है। कभी-कभी धनहानि होने की भी संभावना होगी। अतः यदि दोनों परस्पर समझदारी एवं बुद्धि से काम लें तो स्थिति को सुधारा भी जा सकता है। परस्पर लड़ाई झगड़े और वैचारिक मतभेद रहने के कारण परिवार में सुख समृद्धि का अभाव ही देखने को मिलेगा। इस प्रकार वैवाहिक जीवन संघर्षपूर्ण व कलेशपूर्वक बीतने की संभावना है अतः सतर्कता बरतें।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Amish garhwal एवं क्वससल दोनों के राशि स्वामी समान हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि Amish garhwal एवं क्वससल दोनों के राशि स्वामी एक ही होने के कारण कुंडली मिलान में इसे अति उत्तम माना जाता है तथा पूरे 5 अंक प्रदान किए जाते हैं। जिसके कारण दोनों में असीम प्रेम बना रहेगा तथा साथ ही दोनों जीवन के हर क्षेत्र में एक-दूसरे का सहयोग करते रहेंगे। इनका प्रयास रहेगा कि वे स्वयं को आदर्श दम्पति साबित कर सकें। इनके बच्चे योग्य, आज्ञाकारी, सफल एवं यशस्वी होंगे।

गण

Amish garhwal का गण देव तथा क्वससल का गण भी देव है। अर्थात् दोनों का गण समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके प्रभाववश दोनों दयालु, सहृदय, मृदु, सौम्य एवं संवेदनशील स्वभाव के होंगे। साथ ही दोनों एक-दूसरे के अति अनुकूल होंगे तथा एक-दूसरे का काफी ख्याल रखने वाले होंगे। ऐसी स्थिति में वैवाहिक संबंध के उपरान्त शांति, सुख, खुशहाली एवं समृद्धि हमेशा कदम चूमती रहेगी।

भकूट

Amish garhwal एवं क्वससल दोनों की राशि एक समान ही है इसलिये यह अति उत्तम मिलान है। ऐसा मिलान Amish garhwal एवं क्वससल तथा परिवार के चतुर्दिक विकास के मार्ग को प्रशस्त करता है। इन्हें अनेक रूपों में ईश्वरीय कृपा जैसे - सौभाग्य, सम्पत्ति, समाज में मान-सम्मान तथा योग्य संतान आदि प्राप्त होगी।

नाड़ी

Amish garhwal की नाड़ी आद्य है तथा क्वससल की नाड़ी मध्य है। अर्थात् दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात् यह मिलान अति उत्तम मिलान है। आद्य एवं मध्य नाड़ी का मिलान अति उत्तम माना जाता है क्योंकि इसमें जीवन के तीन आवश्यक घटकों में से दो वात एवं पित्त का समन्वय है। जीवन के अस्तित्व के लिए वात एवं पित्त का समन्वय आवश्यक है। जिसके कारण आपकी संतान काफी बुद्धिमान, स्वस्थ, मानसिक रूप से दृढ़ एवं सौभाग्यशाली होंगी। जो भौतिकवादी विश्व में सुविधा संपन्न जीवन जीने के लिए आवश्यक है।

मेलापक फलित

स्वभाव

Amish garhwal और क्वससल की जन्म राशि वायुतत्व युक्त मिथुन राशि है। अतः Amish garhwal और क्वससल के मध्य स्वाभाविक, मानसिक तथा भावनात्मक स्तर पर पूर्ण समानता रहेगी तथा एक दूसरे को पूर्ण स्नेह एवं सहयोग प्रदान करने में तत्पर रहेंगे फलतः इनका दाम्पत्य जीवन सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा। इस प्रकार यह मिलान अतिउत्तम रहेगा।

Amish garhwal और क्वससल दोनों की राशियों का स्वामी बुध है। अतः इसके प्रभाव से वार्तालाप में दोनों अत्यधिक चतुर होंगे तथा अपनी बाक्पटुता से एक दूसरे को प्रभावित करेंगे। वे जीवन में समान सिद्धांतों एवं मूल्यों का अनुपालन करते हुए अपना समय व्यतीत करेंगे।

Amish garhwal और क्वससल राशि परस्पर प्रथम प्रथम भाव में पड़ती है जो एक शुभ भकूट है। इसके प्रभाव से इनमें परस्पर स्नेह, सहयोग एवं समर्पण की भावना रहेगी तथा एक दूसरे के अस्तित्व का सम्मान करते हुए अपने सांसारिक कार्य कलापों को सम्पन्न करके उनमें सफलता अर्जित करेंगे। वे सच्चे मित्रों की भांति एक दूसरे के दोषों की उपेक्षा करते हुए शांति एवं प्रसन्नता बनाए रखेंगे तथा एक दूसरे की सुख सुविधाओं का भी पूर्ण ध्यान रखेंगे जिससे संबंधों में मधुरता रहेगी।

Amish garhwal और क्वससल का वश्य मानव है। अतः Amish garhwal और क्वससल की अभिरुचियों में पूर्ण समानता रहेगी तथा शारीरिक एवं मानसिक आवश्यकताएं भी बराबर रहेंगी। साथ ही एक दूसरे की काम भावनाओं को समझने तथा शांति एवं सन्तुष्टि प्रदान करने में भी सफल होंगे जिससे दाम्पत्य जीवन का सुख एवं आनंद चरमोत्कर्ष सीमा पर रहेगा।

Amish garhwal और क्वससल का वर्ण शूद्र है। अतः कार्यक्षेत्र में दोनों गम्भीर एवं कर्तव्यपरायण रहेंगे तथा कार्य क्षमताएं भी समान होंगी फलतः कार्य क्षेत्र एवं आर्थिक स्थिति सर्वदा सुदृढ़ रहेगी।

धन

Amish garhwal और क्वससल दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य गति से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों तत्पर रहेंगे। भकूट भी सम ही रहेगा जिससे उनके लाभमार्ग स्वबुद्धिमता एवं परिश्रम से प्रशस्त रहेंगे। मंगल का भी उनकी आर्थिक स्थिति पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार उनके अर्थिक स्तर पर कोई विशेष नाटकीय परिवर्तन की संभावना नहीं होगी परन्तु सामान्य जीवन धनऐश्वर्य से युक्त होकर व्यतीत होगा।

इसके साथ ही कोई विशेष या अचानक लाभ के योगों में भी न्यूनता होगी तथा

आर्थिक स्तर अपने ही अनुकूल रहेगा जिससे वे आर्थिक रूप से सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

स्वास्थ्य

Amish garhwal की नाड़ी आद्य तथा क्वससल की नाड़ी मध्य है। अतः इन पर नाड़ी दोष का कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य रूप से इनका स्वास्थ्य अच्छा ही रहेगा परन्तु मंगल का दोनों के ऊपर दुष्प्रभाव होगा जिससे दोनों धातु या गुप्त रोग संबंधी कष्ट प्राप्त करेंगे। साथ ही Amish garhwal हृदय रोग संबंधी परेशानियों से युक्त रहेंगे जिससे शारीरिक क्षीणता रहेगी तथा क्वससल को गर्भपात की संभावना होगी। मंगल के प्रभाव से Amish garhwal के पुरुषत्व में न्यूनता आएगी तथा क्वससल भी उदासीनता का भाव प्रदर्शित करेंगी फलतः उनके दाम्पत्य सुख में भी न्यूनता का आभास होगा। अतः उपरोक्त दुष्प्रभावों में कमी करने के लिए Amish garhwal और क्वससल को नियमित रूप से हनुमानजी की उपासना तथा मंगलवार के उपवास रखने चाहिए। साथ ही मूंगा धारण करना दोनों के लिए श्रेयष्कर रहेगा।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Amish garhwal और क्वससल का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Amish garhwal और क्वससल के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में क्वससल के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन क्वससल को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में क्वससल को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुंदर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Amish garhwal और क्वससल सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरुद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Amish garhwal और क्वससल का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

क्वससल तथा उसकी सास के परस्पर संबंध अच्छे नहीं रहेंगे। आयु में अधिक अन्तर होने के कारण इनके गहन मतभेद रहेंगे। लेकिन अन्य कोई भी समस्या इतनी गंभीर नहीं होगी जिनका कोई समाधान न हो। अतः यदि क्वससल धैर्य एवं बुद्धिमता पूर्वक सामंजस्यशील

प्रवृत्ति का अनुसरण करें तो सास से संबंधों में अनुकूलता आ सकती है। अतः अपनी ओर से उन्हें उनकी पूर्ण रूप से सेवा तथा सुख सुविधाएं प्रदान करनी चाहिए।

ससुर के साथ क्वससल के संबंध मधुर रहेंगे तथा अपने विनम्र व्यवहार सम्मान की भावना तथा सेवा की प्रवृत्ति से उन्हें प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रखने में प्रसन्न रहेंगी। लेकिन देवर एवं ननदों से संबंधों में प्रतिकूलता रहेगी तथा आपस में ईर्ष्या, प्रतिद्वन्द्विता एवं आलोचना का भाव रहेगा।

इस प्रकार क्वससल का ससुराल में समय सामान्य रूप से ही व्यतीत होगा तथा अन्य जनों को अपनी ओर से सन्तुष्ट रखने में सर्वदा तत्पर रहेंगी।

ससुराल-श्री

Amish garhwal तथा उनकी सास के संबंधों में सामान्यतया मधुरता ही रहेगी। साथ ही आपस में किसी प्रकार के मतभेद या तनाव के भाव की न्यूनता रहेगी। वे अपनी सास के प्रति श्रद्धा तथा सम्मानजनक व्यवहार रखेंगे तथा उन्हें अपनी माता के समान ही आदर प्रदान करेंगे। साथ ही सपत्नीक वह समय समय पर ससुराल के लोगों से मिलने जाया करेंगे।

लेकिन ससुर के साथ में Amish garhwal के संबंध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे तथा आयु में पर्याप्त अंतर के कारण दोनों के मध्य काफी वैचारिक विभिन्नता तथा अन्य मतभेद रहेंगे परन्तु यदि परस्पर सामंजस्य एवं बुद्धिमता का प्रदर्शन किया जाय तो इनमें न्यूनता आ सकती है। साथ ही साले एवं सालियों से Amish garhwal के संबंध अच्छे रहेंगे तथा उनसे इच्छित सहयोग, स्नेह तथा सहानुभूति प्राप्त होगी एवं परस्पर मित्रता का भाव रहेगा। इस प्रकार ससुराल के पक्ष का दृष्टिकोण Amish garhwal के प्रति उत्साहवर्द्धक नहीं रहेगा तथा सामंजस्य से ही इसमें अनुकूलता वनी रहेगी।